कांग्रेस पार्षद रोहित को एक लाख 50 हजार की रिश्वत लेते एसीबी ने रंगे हाथों दबोचा

स्टीप ऑफ लैंड में मकान निर्माण करने देने की एवज में रिश्वत मांग रहा था

बून्दी, (निसं)। एसीबी की स्पेशल यूनिट कोटा इकाई द्वारा मंगलवार अलसुबह कार्यवाही करते हुए बून्दी के कांग्रेस पार्षद रोहित बैरागी को एक लाख 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

बैरागी यह रिश्वत परिवादी से स्टीप ऑफ लैंड (अतिप्रवण भूमि) में मकान निर्माण का कार्य करने देने एवं परेशान नहीं करने की एवज में मांग रहा था। एसीबी की टीम ने बैरागी को शहर के चूड़ी बाजार स्थित सोने चांदी की एक दुकान में परिवादी से डेढ़ लाख की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोचा। बैरागी दूसरी बार पार्षद चुना गया है और बालचंदपाड़ा स्थित ढ ाई दिन का झोपड़ा के पास निवास करता है। एसीबी ने यह कार्यवाही परिवादी त्रिभुवन सिंह हाड़ा की शिकायत पर की।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि परिवादी त्रिभुवन सिंह हाड़ा ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई कि पार्षद बैरागी द्वारा स्टीप ऑफ लैंड में मकान निर्माण करने देने एवं अनावश्यक परेशान नहीं करने की एवज में डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत देने का दबाव बना रहा है। जिसमें 50 हजार रुपये सभापति के नाम पर और एक लाख रुपये की अपने लिए मांग की थी। इस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया और शिकायत सही पाये जाने पर मंगलवार को उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया।

कोटा एसीबी की स्पेशल यूनिट ने पार्षद बैरागी को रिश्वत की राशि के साथ सिटी कोतवाली लेकर गई। जहां पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार व उप अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बैरागी से पूछताछ की। प्राप्त जानकारी के अनुसार पार्षद बैरागी ने पूछताछ में इस प्रकरण में कुछ नगर परिषद के कर्मचारियों के नाम भी उजागर किये हैं। एसीबी की टीम पार्षद बैरागी के आवास व अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ले रही है।

एसीबी यूनिट की टीम में पुलिस निरीक्षक रमेशचंद आर्य भी शामिल रहे। सिटी कोतवाली में घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा व कांग्रेस के पार्षद भी पहुंचे। उन्हें देख बैरागी का मुंह उतर गया। दूसरी ओर बैरागी द्वारा सभापति के नाम पर 50 हजार की रिश्वत मांगने की चर्चा लोगों के जुबान पर है। जिसको लेकर शहर एवं भाजपा के लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

फोटो में नीचे बैठे आरोपी पार्षद रोहित बैरागी तथा बायीं और से दूसरे पुलिस उप अधीक्षक एसीबी स्पेशल टीम धर्मवीर सिंह, तीसरे पुलिस निरीक्षक एसीबी नरेश चंद्र आर्य एवं एसीबी टीम के सदस्य।

- शहर में भाजपा व अन्य लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं

कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में दिवाकर स्कूल की मान्यता रद्द

नकल के खिलाफ कानून बनने के बाद एक्शन में शिक्षा विभाग

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ सरकार ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मंगलवार को शिक्षा विभाग ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में जयपुर के दिवाकर पब्लिक स्कूल की मान्यता रद्द कर दी है। 14 मई को दिवाकर पब्लिक स्कूल से ही कॉन्स्टेबल परीक्षा का पेपर लीक हुआ था । जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने 14 मई को आयोजित होने वाले पेपर को रद्द कर दिया था। वहीं इस पूरे मामले में अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दरअसल, 14 मई को 4588 पदों के लिए कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का दूसरा दिन था। जयपुर के झोटवाड़ा के दिवाकर पब्लिक स्कूल में समय से पहले ही पेपर को खोल दिया गया था। इसके बाद स्कूल से ही पेपर आउट हो गया। दूसरी ओर पुलिस ने पेपर लीक प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों के बैंक खातों को सीज कर उनके खिलाफ 10 साल की सजा का प्रावधान रखा गया है।

गिरदावर रिश्वत लेते गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने मंगलवार को उप तहसील सिकन्दरा में कार्रवाही करते हुये गिरदावर सतीश जाटव को 7 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मरियाडा निवासी कमल सिंह की जमीन के हक त्याग की प्रक्रिया विचाराधीन थी, जिसकी जिसकी एवज में गिरदावर सतीश जाटव ने 10 हजार रुपए की डिमांड की। गिरदावर ने सोमवार को पीड़ित कमल सिंह से 2 हजार रुपए लिए थे, इसके बाद बाकी पैसों के लिए दबाव बना रहा था। जिसकी शिकायत एसीबी में करने के बाद रिश्वत की डिमांड का सत्यापन होते ही एसीबी ने गिरदावर को रंगे हाथों घूस लेते दबोच लिया।

ट्रेलर चालक की लापरवाही ने दो युवकों की जान ली

- देचू के गुमानपुरा गांव की सरहद पर हुआ हादसा

जोधपुर, (कासं) । निकटवर्ती देचू के गुमानपुरा गांव की सरहद में ट्रेलर चालक की लापरवाही ने दो युवकों की जान ले ली। जबकि एक अन्य चपेट में आने से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रैलर का चालक फरार हो गया। पुलिस ने घटना में मामला दर्ज करते हुए अब जांच आरंभ की है। हादसा देचु पुलिस थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 125 व मेगा हाइवे पर गुमानपुरा के निकट हुआ।

देचू पुलिस ने बताया कि गुमानपुरा निवासी मेहबूब अली सडक़ पार कर रहा था। तभी देचू की तरफ से मंडला जा रही मोटरसाइकिल चालक ने टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल पर सवार दोनों युवक नीचे गिर गए। इसी बीच पीछे चल रहे ट्रेलर के पहिए दोनों के ऊपर से निकल गए। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। चालक ट्रेलर को लेकर मौके से फरार हो गया।

ग्रामीणों की सहायता से टोल प्लाजा के निकट ट्रेलर को रुकवाया गया व देचू थाने लाया गया। हैड कांस्टेबल चंपालाल पालीवाल ने बताया कि मोटरसाइकिल पर सवार मनोहरराम पुत्र मगाराम भील निवासी मंडला कलां, दिनेश पुत्र मोहनराम विश्नोई गायणा निवासी मंडला कलां की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

कांग्रेस सरकार भी वैट में कटौती करे: डिकोलिया

करौली, (निसं.) भाजपा ने पेट्रोल,डीजल तथा रसोई गैस में राहत देने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। करौली भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने कहा की केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 8 रुपये, डीजल पर उत्पाद शुल्क में 7 रुपये की कटौती की है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर पर प्रति गैस सिलेंडर 200 रुपये की सब्सिडी देने का निर्णय किया है।

उन्होंने कहा कि इस भयंकर गर्मी में जनता को यह राहत देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गर्मी में भी ठंडक का एहसास करा दिया है। जिला अध्यक्ष ने कहा है कि इस राहत से भाजपा सरकार का जनकल्याणकारी चेहरा एक बार फिर सामने आ गया है। महंगाई के इस दौर में आम आदमी को बड़ी राहत देने का काम देश के प्रधानमंत्री ने किया है। उन्होने यह ऐतिहासिक व साहसिक निर्णय कर आमजन को बहुत बड़ी राहत प्रदान की है। मोदी का यह फैसला गांव,गरीब व किसान के प्रति समर्पित रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने मांग की है की अब राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को महंगाई का ठीकरा केंद्र सरकार के माथे पर फोड़ना बंद करना चाहिए और वैट में कमी करके पेट्रोल,डीजल और रसोई गैस में राजस्थान की जनता को और अधिक राहत देनी चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया है कि पिछली बार भी केंद्र सरकार द्वारा डीजल,पैट्रोल में राहत दी गई पर राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के परामर्श के बावजूद वैट में कमी नहीं की थी।अब राजस्थान की कांग्रेस सरकार भी तुरंत प्रभाव से वैट में कटौती कर जनता को राहत प्रदान करे। गहलोत सरकार राजस्थान में पूरे देश में सबसे अधिक वैट वसूल कर रही है। गहलोत सरकार को आमजन को राहत देने हेतु वैट में कटौती करें केवल बयानबाजी के बजाय धरातल पर कार्य करके दिखाएं।

परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर प्रदर्शन

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा बृज विश्वविद्यालय में परीक्षाओं में दलाली का आरोप लगाकर महारानी श्री जया महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर विभाग संयोजक कृष्णा जाट व सह मंत्री अंकित मंगल के नेतृत्व में कुलपति का पुतला फूंककर जमकर प्रदर्शन किया।

इस दौरान कृष्णा जाट ने बताया कि बृज विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा पूर्व में जांच कमेटी बनाई गई थी जिसमे ब्रज विश्विद्यालय के द्वारा ही अपने कुछ अधिकारियों को शामिल किया था और 20 दिन होने के बाद भी जो मुख्य मांग रखी गई थी उन पर कोई कार्यवाही हुई विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि विश्विद्यालय प्रशासन व दलाल आपस में मिले हुय है ओर जांच कमेटी ने जो कार्यवाही की वो भी अभी सामने नहीं आई है। ब्रज विश्विद्यालय प्रशासन दलालो के साथ मिलकर दलाली को दबाने का काम कर रहे है।

मालपुरा सीएचसी के भर्ती रोगियों को सुविधाओं की दरकार

29 महिनों में 2260 घायल व गंभीर रोगी जयपुर रैफर किये

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा के सरकारी अस्पताल में चिकित्सक व सुविधाओं के साथ-साथ भर्ती वार्डों के अभाव में महज 29 महीनों में मालपुरा सीएचसी से 2260 घायल व गंभीर रोगियों को सुविधाओं के अभाव में जयपुर रैफर किये जाने का गंभीर मामला आया सामने।

मालपुरा सीएचसी में प्रतिदिन ओपीडी का आंकडा 400 से 500 के पार पहुंच रहा है। तो आईपीडी का आंकडा 100 के पार पहुंच रहा है। सरकारी आंकड़ों व रिकॉर्ड में कहने को तो मालपुरा सीएचसी में 75 बैड स्वीकृत है तथा 15 चिकित्सक पदस्थापित है। लेकिन शहर से होकर गुजर रहे दूदू छाण व जयपुर भीलवाडा स्टेट हाईवे जैसे दो-दो हाईवे गुजरने से आये दिन सड़क दुर्घटनाओं का आंकडा बढ़ता जा रहा है। तो मालपुरा - टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र का सबसे बडा व एकमात्र सरकारी अस्पताल मालपुरा होने के चलते भर्ती रोगियों व ओपीडी में भी दिन-प्रतिदिन भारी वृद्धि हो रही है। लेकिन इन सब के बावजूद व्यक्ति के सबसे महत्वपूर्ण पार्ट कहे जाने वाले आंख व ऑर्थोपैडिक जैसे महत्वपूर्ण व अतिआवश्यक चिकित्सक के पद कई सालों से रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में गंभीर रोगी व गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचने पर बेबस व लाचार चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ विशेषज्ञ चिकित्सक तथा रोगी वार्ड में जगह-जगह के अभाव में घायल को प्राथमिक उपचार दे जयपुर रैफर का कार्ड हाथ में थमा देते हैं।

आंकडे पर नजर डाले तो वर्ष 2021 में 1022, वर्ष 2020 में 949 व वर्ष 2022 के महज 5 महीनों में 289 रोगी मालपुरा अस्पताल से जयपुर रैफर किये गये है। अस्पताल में नवीन वार्ड निर्माण के साथ-साथ ट्रॉमा सेन्टर खोलने तथा मालपुरा अस्पताल को 100 बैड का अस्पताल किये जाने की जनप्रतिनिधियों के जरिए आमजन ने अपनी मांग से सरकार को अवगत कराया। लेकिन आज तक इस पर कोई अम्ल नहीं हुआ। जिसका खामियाजा अस्पताल में भर्ती रोगियों व घायलों को चिकित्सक व सुविधाओं के अभाव मे टेबिल अथवा कुर्सी पर उपचार करवाने पर विवश होना पड़ रहा है।

मालपुरा सीएचसी में कई मरीजों का उपचार एक ही बैड पर किया जा रहा है।

नियुक्ति के लिए लेवल वन के 15,500 शिक्षकों की चल रही काउंसलिंग

बीकानेर, (कासं)। राज्य में सरकार एक तरफ रीट भर्ती 2021 में चयनित लेवल वन के 15500 शिक्षको को नियुक्ति देने के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसमे इन्हें स्कूल आवंटन किए जा रहे हैं। जबकि दूसरी ओर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले भाजपा सरकार में 2018 में हुए थे उसके बाद कांग्रेस सरकार ने अगस्त 2021 में राज्य में तृतीय श्रेणी शिक्षको से शाला दर्पण के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लिए है जिनमें राज्य भर से 85 हजार शिक्षको ने तबादले हेतु आवेदन किए।

शिक्षा मंत्री डॉ.बीडी कल्ला का कहना है कि तबादला नीति तैयार है सीएम अशोक गहलोत से अनुमति मिलते ही तबादले कर दिए जाएंगे। सरकार वरिष्ठ अध्यापक, एचएम, व्याख्याता, प्रधानाचार्य सभी के तबादले कर देती है और जब बात तृतीय श्रेणी शिक्षकों की आती है तो तबादला नीति का बहाना लेकर शिक्षको को गुमराह कर रही है।

सरकार हर बार नीति के लिए कमेटी बना देती है लेकिन कमेटी ने आज तक नीति नहीं बनाई। 2017 में भाजपा सरकार ने कमेटी बनाई जिसकी नीति नही बन पाई ,अब कांग्रेस सरकार ने शिक्षा विभाग के पूर्व निदेशक के नेतृत्व में कमेटी बनाई लेकिन अभी तक नीति का पता नहीं है। शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया की तबादला सूची जारी करवाने की मांग को लेकर शिक्षक संघ रेसटा राज्य भर में विरोध प्रदर्शन कर चुका व निदेशक से लेकर शिक्षा मंत्री डॉ. कल्ला व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मिलकर ज्ञापन दे चुके लेकिन अभी तक मांग पूरी नहीं हुई जिससे राज्य भर के शिक्षको में सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

- दूसरी ओर 85 हजार शिक्षक 9 माह से कर रहे तबादला सूची का इंतजार

प्रदेशाध्यक्ष शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन रेसटा (राज.) के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद का कहना है कि सरकार की हठधर्मिता से साफ है की 85 हजार तृतीय श्रेणी शिक्षकों के साथ हमेशा की तरह इस बार भी तबादला नीति के नाम पे धोखा किया जा रहा है।

चूरू में 15.8 एम.एम बारिश दर्ज

चूरू, (कासं)। चूरू में गत शाम आयी बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से मौसम खुशनुमा बन गया।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को यहां का अधिकतम 34.2 व न्यूनतम 18.4 डिग्री सेल्सियस तापमान तथा 15.8 एम.एम बारिश रिकॉर्ड की गई। गत शाम करीब आधे घंटे तक चले बारिश के दौर से भीषण गर्मी से राहत मिल गयी।

शेखावाटी को प्रयागराज-बीकानेर ट्रेन का तोहफा

रींगस, (निसं)। शेखावाटी को लम्बे इन्तजार के बाद आखिरकार प्रयागराज-जयपुर-बीकानेर ट्रेन का तोहफा मिल ही गया। मंगलवार से यह ट्रेन शेखावाटी के ट्रैक पर दौड़ने लगी। ट्रेन की घोषणा होते ही शेखावाटी व बीकानेर में खुशी की लहर है। गौरतलब है कि हाल ही में रींगस आये सीकर सांसद स्वामी सुमेधानन्द व डीआरएम ने पूर्व में यह घोषणा की थी। अब लोगों को रामेश्वरम, वैष्णोदेवी, कोलकाता व गुवाहाटी की ट्रेनों का इन्तजार है। दुरन्तो ट्रेन की रींगस ,सूरत में स्टोपेज की मांग भी लगातार उठ रही है। प्रयागराज जयपुर बीकानेर ट्रेन चार दिन चूरू फतेहपुर होकर तथा तीन दिन लुहारू होकर चलेगी। लेकिन रींगस सीकर सातो दिन चलेंगी। प्रयागराज-जयपुर-बीकानेर चलने से लोगों को बीकानेर व जयपुर के लिए भी दोपहर में ट्रेन की सुविधा मिल सकेगी। वहीं प्रयागराज ट्रेन चलने से धार्मिक पर्यटन को बढावा मिलेगा।

शेखावाटी के लोगों को प्रयागराज जाने के लिए जयपुर से ट्रेन में चढ़ना पड़ता था। अधिकतर लोग महंगे दामों में बस से यात्रा करते थे लेकिन अब उन्हें बहुत ही सस्ती दर पर प्रयागराज जा पायेंगे। वहीं प्रयागराज जयपुर बीकानेर ट्रेन चलने से रींगस जंक्शन पर यात्रियों का जमावडा लगा रहेगा। यूपी के धार्मिक लोग रींगस भैरोजी, खाटू श्यामजी, जीणमाता, शाकम्भरी, मनसा माता के दर्शन कर पायेंगे। वहीं धार्मिक स्थल मथूरा, वृन्दावन, प्रयागराज, खाटू श्यामजी, जीणमाता, शाकम्भरी, मनसामाता, सालासर, झुझूनू, देशनोक में धार्मिक पर्यटन का बूम आयेगा। पूर्व में शेखावाटी से जयपुर चलने वाली इन्टरसिटी की जगह यह ट्रेन यात्रियों को काम आयेगी। मुम्बई से जयपुर आने वाली ट्रेन की सवारी लेकर यह ट्रेन शेखावाटी पहुंचेगी।

अब नौकरी के कारण पति-पत्नी नहीं रहेंगे दूर-दूर!

झुंझुनूं, (निसं)। अब शिक्षक दंपत्ति को नौकरी के चक्कर में दूर-दूर नहीं रहना होगा। जी, हां शिक्षा विभाग ने इस दिशा में शिक्षक दंपत्तियों को राहत दी है। हाल ही में रीट लेवल-1 के तहत पदस्थापित होने वाले नए अभ्यर्थियों को यह राहत दी गई है। दरअसल मंगलवार से झुंझुनूं में दो दिवसीय पदस्थापन काउंसलिंग शुरू हुई है। जिसमें इस स्थिति को प्राथमिकता दी गई है।

- रीट लेवल-1 में शिक्षा विभाग ने दिया राहत वाला अवसर, पति-पत्नी है सरकारी नौकरी में, तो पास में मिलेगी पोस्टिंग

डीईओ एलीमेंट्री मनोज ढाका ने बताया कि पहली बार शिक्षा विभाग ने चयनित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में यह प्राथमिकता दी है कि यदि चयनित अभ्यर्थी का पति या फिर पत्नी, सरकारी नौकरी में है और चयनित अभ्यर्थी उसके पास खाली जगह पर पदस्थापित होना चाहता है तो उसे प्राथमिकता दी जाएगी। अकसर देखने में आया है कि शिक्षक सैंकड़ों किलोमीटर दूर पति-पत्नी से रहकर नौकरी करते हैं लेकिन इस तरह के अवसर से अब यह स्थितियां पैदा नहीं होगी। बहरहाल, मंगलवार को झुंझुनूं में रीट लेवल 1 के लिए चयनित 189 में से 185 अभ्यर्थियों की काउंसलिंग शुरू हुई। इनमें से चार अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन नहीं हो पाए थे। इसलिए 185 में से पहले दिन मंगलवार को 108 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था। इनमें से 107 अभ्यर्थी पहुंचे। जिनकी काउंसलिंग की गई। शेष अभ्यर्थियों की काउंसलिंग बुधवार को होगी। पहले दिन काउंसलिंग का जिला परिषद सीईओ जवाहर चौधरी समेत अन्य शिक्षा अधिकारियों ने जायजा लिया। काउंसलिंग के लिए विभाग ने 15 से अधिक प्रिंसीपल स्तर के अधिकारियों को लगाया था।

रीट लेवर-1 के अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में यह जानकारी दी।

सूरतगढ़ में दो इकाइयां बंद

सूरतगढ़, (निसं)। एक तरफ राजस्थान बिजली संकट गुजर रहा है, जिसकी वजह से किसानों को मात्र 5 घंटे ही बिजली दी जा रही है। दूसरी ओर राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के जयपुर एलडी के निर्देश पर इकाइयों को बंद करवाकर बिजली उत्पादन कम करवाया जा रहा है। यहां 2880 मेगावाट की परियोजना में मात्र 927 मेगावाट ही बिजली उत्पादन हो रहा है। गौरतलब है कि सुरतगढ थर्मल में 1660 मेगावाट की पांच इकाइयां बन्द है और 1160 मेगावाट की मात्र तीन इकाइयों को चलाकर 927 मेगावाट ही उत्पादन किया जा रहा है।

ऐसे में प्रदेश में बिजली संकट का प्रभावी होना लाजमी है। सुरतगढ थर्मल पावर प्लांट की 250 मेगावाट की छह इकाइयों में से रविवार शाम तक मात्र दो इकाइयों से ही उत्पादन हो रहा था। ऐसे में 1500 मेगावाट उत्पादन वाली इकाइयों से मात्र 406 मेगावाट ही बिजली उत्पादन हो रहा है। तो वही सुपर क्रिटीकल की इकाइयों 660 मेगावाट की दो इकाइयों में से एक इकाई पिछले दो महीने से जनरेशन ट्रांफार्मेर में खराबी के चलते बन्द पड़ी है तो वही आठवीं इकाई से 660 मेगावाट में से 521 मेगावाट उत्पादन ही हो रहा है।

पूर्व विधायक सुरेंद्र बामणिया का खोडनिया पर गंभीर आरोप

विरोध करने पर पुलिस प्रशासन से बनाया जाता है दबाव

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा के पूर्व विधायक सुरेंद्र बामणिया ने दिनेश खोडनिया पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाया।

डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के बाद अब सागवाड़ा के पूर्व विधायक और अन्य नेताओं ने भी कांग्रेस के निवर्तमान जिलाध्यक्ष दिनेश खोडनिया के विरोध में आवाज उठाई है। पूर्व विधायक सुरेंद्र बामणिया सहित कई कांग्रेस नेताओं ने खोडनिया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बामणिया और दूसरे नेताओं ने डूंगरपुर सहित पूरे उदयपुर संभाग में कांग्रेस की दुर्दशा के लिए खोडनिया को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि खोडनिया पहले ही सभी आरोपों को नकार चुके है।

सुरेंद्र बामणिया ने डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध जताते हुए कहां कि घोघरा का बढ़ ता कद घटाने के लिए ये सब किया जा रहा है, जबकि घोघरा गरीब जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे थे। घोघरा के बढ़ ते कद को देखते हुए अब उन्हें दबाने का काम किया जा रहा है। डूंगरपुर जिले को कौन चला रहा है, प्रशासनिक अधिकारी किसकी सुनते है, यह सबको पता है। सत्ताधारी विधायक को अपने काम के लिए धरने पर बैठना पड रहा है तो आम कार्यकर्ताओं की क्या हालत है, यह सबको पता है। उन्होंने कहा कि घोघरा के साथ जो हुआ वो तो सागवाडा के कार्यकर्ता तीन साल से भुगत रहे हैं।

आम जनता की नहीं सुन रहे है अधिकारी :- सुरेंद्र बामनिया ने दिनेश खोडनिया पर दबाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहां कि ऐसा लग रहा है कि यहां सरकारी अधिकारी नहींए बल्कि किसी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकारी काम कर रहे हैं। सुनवाई नहीं होने से क्षेत्र की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता पीडित है। सभी विभाग के अधिकारी दबाव में हैं।

- डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के बाद अब सागवाड़ा के पूर्व विधायक और अन्य नेताओं ने भी कांग्रेस के निवर्तमान जिलाध्यक्ष दिनेश खोडनिया के विरोध में आवाज उठाई

खोडनिया के विरोध में जाने वाले पर पुलिस प्रशासन से दबाव बनाया जाता है, जो कांग्रेस और क्षेत्र की जनता के लिए घातक है। सागवाडा ब्लॉक अध्यक्ष देवीलाल फलोत ने कहां कि यहां संगठन नाम की कोई चीज नहीं है। कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश पाटीदार ने कहा कि संगठन कमजोर हो रहा है। बडो की लडाई में सुनवाई नहीं हो रही है। स्थिति यह है कि मैं मेरा इस्तीफा जेब में लेकर घूम रहा हूं।

मैं खोडनिया के रिमोट से चलने वाला नेता नहीं :- सागवाड़ा के पूर्व विधायक सुरेंद्र बामणिया ने कहा कि कांग्रेस के जिलाध्यक्ष दिनेश खोडनिया सभी को अपने कंट्रोल में रखना चाहते हैं, लेकिन मैं उनके रिमोट पर चलने वाला नहीं हूं। घोघरा ने भी इसका विरोध किया है। बांसवाडा के हमारे दो बडे नेता उनके रिमोट कंट्रोल पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा की राज्यसभा में कौन जाएगा, यह आलाकमान तय करेगा। यहां हम अपनी बात रख रहे हैं। उन्होंने कहां कि ऐसे व्यक्ति को राज्यसभा में भेजा जाए, जिसका कोई जनाधार हो। ऐसे व्यक्ति को नहीं भेजा जाए, जिससे कांग्रेस को खतरा हो।